एम.जी.एस.यू. में विकसित भारत 2047 पर मंथन, देश-विदेश से जुटेंगे विद्वजन

बीकानेर, (कासं)। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय एवं भारतीय राजनीतिक विज्ञान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 17 से 19 अक्टूबर तक भारतीय राजनीतिक विज्ञान परिषद का वार्षिक अधिवेशन एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'विकसित भारत 2047' का आयोजन विश्वविद्यालय के मीराबाई सभागार में किया जायेगा।

विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद शैक्षिक उन्नयन हेतु यह आयोजन अब तक के सबसे बड़े शैक्षणिक आयोजन की श्रेणी में शामिल होगा। प्रेस वार्ता में कुलपति प्रोफेसर मनोज दीक्षित ने बताया कि भारतीय राजनीतिक विज्ञान परिषद के आग्रह पर विश्वविद्यालय द्वारा उपरोक्त आयोजन पर अपनी सहमति प्रदान की गई थी।

एम.जी.एस.यू. में विकसित भारत- 2047 अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के ब्रोशर का विमोचन कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने किया।

■ 17 से 19 अक्टूबर तक भारतीय राजनीतिक विज्ञान परिषद का वार्षिक अधिवेशन एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'विकसित भारत 2047' का आयोजन होगा

प्रोफेसर दीक्षित ने बताया कि इस आयोजन में देश विदेश से करीब 1500 प्रतिभागी विभिन्न सत्रों से शामिल होंगे। जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी एवं विषय से जुड़े शिक्षाविद् एवं शोधार्थी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा 17 अक्टूबर को आयोजन के दौरान एक विशेष प्रशिक्षण सत्र भारतीय ज्ञान परंपरा के संदर्भ में आयोजित होगा। जिसमें विषय विशेषज्ञ लोग प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करेंगे उक्त प्रतिभागी उपरोक्त विषय के संदर्भ में देश-विदेश में विषय पर अपनी बात रखेंगे।

विश्वविद्यालय कुलसचिव हरि सिंह मीणा ने बताया कि आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां की गई है। प्रतिभागियों को ठहरने, भोजन, आवागमन एवं विभिन्न तकनीकी सत्रों के लिए अलग अलग कमेटियां बनाई गई है। इस आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में है। आयोजन को भव्य बनाने के लिए विश्वविद्यालय में व्यापक साफ- सफाई अभियान एवं कला संस्कृति से प्रतिभागियों को अवगत कराने हेतु विश्वविद्यालय परिसर में विशेष सजावट की गई है।

विश्वविद्यालय वित्त नियंत्रक अरविंद सिंह विश्नोई ने बताया कि इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा मरू गंगा स्मारिका का भी प्रकाशन किया जायेगा। भारतीय राजनीतिक विज्ञान परिषद के महासचिव एवं पूर्व कुलपति डॉ संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि भारतीय राजनीतिक विज्ञान परिषद अपने वार्षिक अधिवेशन में समसामयिक विषयों पर शिक्षाविदों के बाद मध्य व्यापक विचार विमर्श उपरांत एक रिपोर्ट तैयार कर संबंधित संस्थाओं को प्रेषित करती है। इस अवसर पर भारतीय राजनीतिक विज्ञान परिषद द्वारा शिक्षाविदों द्वारा प्रेषित किए गए विचारों को संकलित करते हुए विशेष जनरल का प्रकाशन भी किया जायेगा।

विश्वविद्यालय मीडिया प्रभारी एवं अतिरिक्त कुल सचिव डॉ विठ्ठल बिस्सा ने बताया कि प्रतिभागियों को बीकानेर की कला एवं संस्कृति से अवगत कराने के लिए स्थानीय कलाकारों द्वारा 18 अक्टूबर को 6 बजे विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही बीकानेर की संस्कृति व खानपान पद्धति से अवगत कराने हेतु एक कान्क्लेव का भी आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में होगा। जिसमें उस्ता आर्ट, बीकानेर की परम्परागत खान-पान पद्धति एवं कला संस्कृति को प्रदर्शित किया जायेगा।

चानणा धाम हनुमान मेले में उमड़े श्रद्धालु

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के पदमपुर कस्बे के गांव चानणा धाम स्थित हनुमान मंदिर में बुधवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। यहां वार्षिक मेला चल रहा है। श्रीगंगानगर ही नहीं आसपास के इलाके से भी लोग पैदल चानणा धाम हनुमानजी के दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं।

यहां हर साल दशहरे के दिन अखंड राम नाम संकीर्तन शुरू होता है। जो 5 दिन तक लगातार चलता है। इसी क्रम में 12 अक्टूबर को शुरू हुआ अखंड राम नाम संकीर्तन मंदिर परिसर में जारी है। इसका समापन बुधवार शाम को होगा। इसके बाद रात को जागरण होगा। आयोजन का समापन गुरुवार सुबह 4 बजे आरती के साथ होगा। मंदिर परिसर में आयोजन के लिए सेवादारों को ड्यूटी दी गई हैं। दशहरे से अब तक लगातार श्रद्धालु मंदिर में दर्शन के लिए श्रीगंगानगर और जिले के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु पैदल दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन किए। मंदिर में आज शाम तक अखंड संकीर्तन चलेगा। इसके बाद रात को जागरण होगा। आयोजन में महंत गोपीराम बगड़िया सहित बड़ी संख्या में इलाके के लोग शामिल हो रहे हैं। मंदिर के सेवादार राकेश गोयल ने बताया कि शाम को अखंड संकीर्तन का समापन होगा व रात को जागरण होगा।

सार-समाचार

मनरेगा कार्यों पर प्रशिक्षण

जिला परिषद सभागार में मनरेगा के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण को आराधना शर्मा ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। महात्मा गांधी नरेगा योजना के और बेहतर क्रियान्वयन के मद्देनजर ज़िले के समस्त तकनीकी व लेखा अधिकारियों और कर्मचारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार को जिला परिषद सभागार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्घाटन अधिशाषी अधिकारी धीर सिंह गोदारा अधिशासी अभियंता ने किया। उन्होंने महात्मा गांधी नरेगा के सफल क्रियान्वयन में तकनीकी एवं लेखा अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका के बारे में बताया। महात्मा गांधी नरेगा योजना के स्वीकृत कार्यों में श्रम नियोजन के संबंध में तकनीकी अधिकारियों को जानकारी दी। उन्होंने निर्देशित किया गया कि आगामी वार्षिक कार्ययोजना में राज्य सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना में निर्धारित तिथिवार कैलेंडर अनुसार कार्य निष्पादन करवाना सुनिश्चित करें। जिला आईईसी समन्वयक गोपाल जोशी ने आईईसी गतिविधियों के महत्वपूर्ण बिन्दुओं के बारे में बताया। सहायक अभियंता आराधना शर्मा ने वार्षिक कार्य योजना 2025-26 के बारे में तथा एसबीएम में महत्वपूर्ण बिन्दुओं के बारे में समझाया। अधिशाषी अभियंता रामनिवास शर्मा ने जिला परिषद में गुणवत्ता नियंत्रण के लिए स्थापित की लैब तथा इसमें निर्माण सामग्री की जांच के बारे में बताया। महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अन्य योजनाओं के संबंध में तकनीकी अधिकारियों व लेखाधिकारियों से संवाद किया। सहायक अभियंता मनीष पूनिया ने कन्वर्जेंस के बारे में जानकारी दी। लेखाधिकारी प्रेम सागर यादव एवं ताराचंद लेखा अधिकारी ने लेखा संबंधी जानकारी दी और तकनीकी और लेखा के सहयोग से समय बाद भुगतान एवं यूसीसी समायोजन एवं ऑडिट की जानकारी दी। संजय श्रीमाली एवं ओमप्रकाश द्वारा एमआईएस संबंधी जानकारी दी गई तथा एमआईएस में वार्षिक कार्य योजना अपलोड करने के बारे में बताया। सहायक अभियंता राघवेन्द्र बीका ने जीएस लैब ए मैप सिक्योर के बारे में जानकारी दी। एफईएससंस्थान द्वारा चारागाह विकास के संबंध में पुष्पराज और फूली देवी ने चारागाह विकास के संबंध में जानकारी दी।

वेटरनरी में रोजगार की जानकारी दी

नव प्रवेशित वेटरनरी विद्यार्थियों के ओरियंटेशन कार्यक्रम को अधिष्ठाता प्रो. हेमन्त दाधीच ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के बी.वी.एससी. एण्ड ए.एच. प्रथम वर्ष (सत्र 2024-25) में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं ने बुधवार को आयोजित ओरियंटेशन कार्यक्रम में भाग लेकर सभी संबंधित विभागों का भ्रमण कर महाविद्यालय की कार्यप्रणाली एवं उपलब्ध सुविधाओं को देखा और जाना। वेटरनरी ऑडिटोरियम में आयोजित ओरियंटेशन कार्यक्रम में वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर के अधिष्ठाता प्रो. हेमन्त दाधीच ने विद्यार्थियों को वेटरनरी विश्वविद्यालय में प्रवेश की बधाई दी एवं वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर के इतिहास संरचनात्मक ढांचे पशुपालकों के विकास में इस महाविद्यालय के योगदान एवं वेटरनरी में विद्यार्थियों के रोजगार अवसरों के बारे में बताया। प्रो. दाधीच ने छात्र-छात्राओं को अनुशासन में रहते हुए शिक्षण श्रेष्ठता हासिल करने एवं सर्वांगीण विकास की बात कही। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रवीण बिश्नोई ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय में उपलब्ध हॉस्टल, इंटरनेट, पशुचिकित्सा, खेलकूद, एन.सी.सी. एवं अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर को रैगिंग फ्री कैम्पस बताते हुए सभी नवागंतुक विद्यार्थियों को रैगिंग नहीं होने के प्रति आश्वस्त किया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुनीता पारीक ने विद्यार्थियों को उपस्थिति अनिवार्यता एवं परीक्षा शेड्यूल के बारे में बताया। डॉ. पंकज थानवी ने विद्यार्थियों को प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम के बारे में बताया। डॉ. सुनीता चौधरी ने विद्यार्थियों को एन.सी.सी. के महत्व की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. नीरज कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को एन.एस.एस. के बारे में जानकारी दी। सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अशोक डांगी ने विद्यार्थियों को छात्र कल्याण गतिविधियों की जानकारी प्रदान करते हुए शिक्षण के साथ-साथ शैक्षणेत्तर गतिविधियों एवं ड्रेस कोड़ के बारे में विस्तृत से बताया। ओरियंटेशन कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के फैकल्टी सदस्य एवं नवआगंतु विद्यार्थियों के अभिभावक उपस्थित थे। डॉ. अरूण कुमार झीरवाल एवं डॉ. देवेन्द्र सिंह ने विद्यार्थियों को विभिन्न विभागों पुस्तकालय एवं व्याख्यान कक्षों का भ्रमण करवाया।

टी.बी. नोटिफिकेशन नहीं करने पर होगी कार्रवाई : जितेन्द्र रॉय

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य से स्टेट टीबी टैक्नीकल स्पोर्ट टीम द्वारा बीकानेर जिले में टीबी रिपोर्ट की समीक्षा हेतु विजिट की गई। राज्य टीबी टीम द्वारा बीकानेर जिले के हॉस्पिटल, प्राइवेट चिकित्सक, प्राइवेट लैब और मेडिकल स्टोर की विजिट कर टब नोटिफिकेशन की समीक्षा की गई।

भारत सरकार के आदेशानुसार सभी को टीबी नोटिफिकेशन करना अनिवार्य है। यदि कोई भी टीबी नोटिफिकेशन नहीं करता है या उसमें लापरवाही करता है तो उसके विरूद्ध सरकार द्वारा अनिशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। प्राइवेट हॉस्पिटल, क्लीनिक की विजिट कर टीबी नोटिफिकेशन की जांच की गई। टीबी टैक्नीकल यूनिट के शुभम रॉय ने प्रत्येक टीबी मरीज़ों को निक्षय पोर्टल पर इन्द्राज समय पर करने हेतु निर्देशित किया।

स्टेट टीबी टैक्नीकल स्पोर्ट टीम ने मेडिकल स्टोर की विजट कर टब नोटिफिकेशन की समीक्षा की।

प्रत्येक क्षय रोगी की सीबीनाट जांच अवश्य करवाने हेतु निर्देश दिए। स्टेट के टीबी एक्सपर्ट जीतेन्द्र कुमार ने निजी लैब का अवलोकन किया और टीबी लैब रजिस्टर की जांच की। टीबी पॉजिटिव आये मरीज़ों को निक्षय पोर्टल पर रजिस्टर करने हेतु निक्षय की जानकारी दी।

प्राइवेट मेडिकल स्टोर को टीबी नोटिफिकेशन शेड्यूल एच 1 के अंतर्गत रजिस्टर करना अनिवार्य है। जिला समन्वयक विक्रम सिंह राजावत ने बताया कि सभी टीबी मरीज़ों की बैंक डिटेल निक्षय पोर्टल पर इन्द्राज करें जिससे डीबीटी के माध्यम द्वारा मरीज़ों को निक्षय पोषण हेतु पोषण राशि उसके खाते में भेजी जा सकें। स्टेट टीम द्वारा सभी टीबी रिपोर्ट्स को जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ सी एस मोदी के साथ मीटिंग कर समीक्षा की गई। सीएमएचओ डॉ राजेश गुप्ता से भी टीबी नोटिफिकेशन पर समीक्षा की गई। सभी सरकारी चिकित्सालयों में टीबी की जांच व इलाज है।

25 पेटी शराब सहित दबोचा

बीकानेर, (कासं)। अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की सख्ती एक बार फिर सामने आई है। लूणकरनसर पुलिस ने अवैध रूप से शराब ले जा रहे एक वाहन को जब्त करने के साथ ही तीस साल के युवक को गिरफ्तार कर करीब 1200 पव्वे शराब बरामद की।

लूणकरनसर पुलिस के अनुसार देर रात गश्त के दौरान हरियासर टोल नाके के पास एक स्विफ्ट कार को रोककर उसमें तलाशी ली गई। इस बार में आगे की सीट और पीछे की साइड में बड़ी संख्या में कार्टन भरे हुए थे। चैक करने पर 25 कार्टन मिले।

इन सभी में भारी मात्रा में शराब थी, जिसे जब्त कर लिया गया। करीब बारह सौ पव्वों में भरी लाखों रूपए की शराब कहां से लाने ओर किसके लिए लाने का पूछने पर युवक भैरूसिंह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

लूणकरनसर के ही रहने वाले भैरूसिंह को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मुखबीर ने पुलिस को सूचना दी थी कि एक कार में अवैध शराब का परिवहन हो रहा है। इस कार के आगे टाइगर फोर्स लिखा हुआ था। इसी आधार पर पुलिस ने उसे रोक कर तलाशी लो तो अवैध शराब मिली।

मूंगफली की खरीद 18 नवम्बर से होगी

अनूपगढ़, (कासं)। मूंग का समर्थन मूल्य 8682 रुपए प्रति क्विंटल होगा। उड़द और सोयाबीन की खरीद 15 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। जबकि मूंगफली का समर्थन मूल्य 6783 रुपए प्रति क्विंटल की खरीद 18 नवम्बर से 90 दिनों की अवधि के लिए पूर्व प्रक्रिया के अनुसार प्रारंभ की जायेगी। खरीद के लिए राजफैड द्वारा दिशा निर्देश और गुणवत्ता मानक जारी किए गए हैं।

■ मूंगफली का समर्थन मूल्य 6783 रुपए प्रति क्विंटल से खरीद होगी

अनूपगढ़ सहकारी समिति के उप रजिस्ट्रार जयपाल गोदारा ने बताया कि किसानों के पंजीकरण के लिए राजफैड का ऑनलाइन पोर्टल 15 अक्टूबर से चालू हो चुका है। ऑनलाइन पंजीकरण का समय सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक रहेगा। किसान ई-मित्र के माध्यम से पंजीकरण के लिए डीऑआईटी द्वारा निर्धारित शुल्क 31 रुपए देकर पंजीकरण करा सकते हैं। गिरदावरी उसी नाम पर होनी चाहिए जिसके नाम से पंजीकरण होगा। गिरदावरी में रकबा हेक्टेयर में अंकित होना चाहिए। पी-35 का क्रमांक और दिनांक ऑफलाइन गिरदावरी में अनिवार्य है। जबकि ऑनलाइन गिरदावरी पर इसकी अनिवार्यता में शिथिलता दी गई है। हालांकि पटवारी की मोहर और मोबाइल नंबर अंकित होना आवश्यक है। गिरदावरी में बुवाई का क्षेत्रफल हेक्टेयर में अंकित होना चाहिए। साथ ही बोई गई फसल का नाम और रकबा स्पष्ट होना चाहिए। बटाईदार की स्थिति में कृषि भूमि मालिक और बटाईदार के बीच बुवाई से पूर्व या बुवाई अवधि के लिए अनुबंध होना अनिवार्य है।

मूंग और उड़द के लिए यह अनुबंध जून 2024 से जुलाई 2024 तथा मूंगफली और सोयाबीन के लिए मई 2024 से जुलाई 2024 के बीच होना चाहिए। यह अनुबंध 100 रुपए के नॉन-ज्यूडिशियल स्टाम्प पर होना चाहिए। बटाई अनुबंध को पंजीकरण के समय अपलोड कराना अनिवार्य होगा, अन्यथा पंजीकरण मान्य नहीं होगा। भारत सरकार के 25 प्रतिशत अनुमानित लक्ष्यों के आधार पर मूंग और मूंगफली की अधिकतम खरीद सीमा 25 क्विंटल प्रति किसान निर्धारित की गई है।

वाल्मीकि प्रकट दिवस पर शोभायात्रा निकाली

श्रीगंगानगर, (कासं)। भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस पर बुधवार को शहर के अलग-अलग इलाकों में शोभायात्रा निकाली गई। ये शोभायात्रा शहर के वार्ड पांच, कबीर चौक सहित अलग-अलग इलाकों से रवाना हुई।

शोभायात्रा में शामिल लोगों ने इंदिरा चौक स्थित वाल्मीकि समाज धर्मशाला में भगवान वाल्मीकि के मंदिर में धोक लगाई। यहां नगर परिषद के पूर्व सभापति श्यामलाल धारीवाल सहित प्रमुख लोगों ने शोभायात्रा की अगवानी की।

कबीर चौक से रवाना हुई शोभायात्रा में भगवान शिव की सचेतन झांकी। राधाकृष्ण, बजरंग बली, रथ पर सवार लवकुश तथा माता सीता और लवकुश की झांकी सहित विभिन्न झांकियां शामिल थी। वाल्मीकि धर्मशाला परिसर में स्थापित भगवान वाल्मीकि के मंदिर में श्रद्धालुओं ने भगवान वाल्मीकि, लवकुश और मतंग ऋषि की प्रतिमाओं को धोक लगाया।

शोभायात्रा में लोगों का उत्साह देखते ही बनता था। बैंड की धुन के साथ आगे बढ़ती शोभायात्रा को देखने के लिए लोग सड़कों पर निकल आए। वहीं वार्ड पांच में वाल्मीकि मंदिर से भी शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए वाल्मीकि धर्मशाला परिसर पहुंची।

शनिवार को भी खुलेंगे पंजीयन कार्यालय

बीकानेर, (कासं)। पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के अधीन समस्त पदेन एवं उप पंजीयक कार्यालय अक्टूबर के अंतिम दोनों शनिवार को राजकीय अवकाश के दिन सामान्य कार्य दिवस की भांति खुले रहेंगे।

पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के महानिरीक्षक आशीष गुप्ता ने फेस्टिवल सीजन को ध्यान में रखते हुए इस संबंध में बुधवार को आदेश जारी किए हैं। आदेशानुसार दोनों शनिवार को दस्तावेजों के पंजीयन तथा अन्य समस्त राजकीय कार्य सम्पादित किए जायेंगे। लोगों की छुट्टी के दिन भी सुविधा के लिए खुले रहेंगे।

कविता करना एक चुनौतीपूर्ण सृजनात्मक काम : रंगा

बीकानेर,(कासं)। प्रज्ञालय संस्थान एवं राजस्थानी युवक लेखक संघ द्वारा अपनी मासिक साहित्यिक नवाचार के तहत प्रकृति पर केंद्रित काव्य रंग-शब्द संगत की पांचवीं कड़ी नत्थूसर गेट बाहर स्थित लक्ष्मीनारायण रंगा सृजन सदन में आयोजित की गई।

■ प्रकृति पर केंद्रित काव्य रंग-शब्द संगत आयोजित

अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार कमल रंगा ने कहा कि कविता करना एक चुनौतीपूर्ण सृजनात्मक उपक्रम है। जिसके तहत ही प्रकृति के विभिन्न आयामों को केन्द्र में रखकर हिन्दी, उर्दू एवं राजस्थानी के विशेष आमंत्रित कवि-शायरों ने आज नदी के विभिन्न पक्षों को उकेरते हुए काव्य रस धारा से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कविता, गीत, गजल, हाइकू एवं दोहों से सरोबार इस काव्य रंगत में शब्द की शानदार संगत रही। मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र जोशी ने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से नवाचार के साथ-साथ नव रचना वाचन होता है जिससे नगर की काव्य परम्परा को समृद्ध करने का एक सफल उपक्रम होता है।

जिसके लिए आयोजक एवं संस्था साधुवाद की पात्र है। ऐसे आयोजन नगर के साहित्यिक वातावरण को स्वस्थ करता है। कार्यक्रम में काव्य पाठ करते हुए वरिष्ठ कवि कमल रंगा ने अपनी कविता 'बण'र गूंज री अणगूंज/सूंपती रैयी है, अलेखूं बरसा सूं/मानखै नैं चेतौ/बैंवती नदी कै/थिर थार नदी...के माध्यम से नदी के मानवीय करण एवं विभिन्न पक्षों को रेखांकित किया।

जीवन में कभी हताश ना हों, मैं खुद चौथे प्रयास में आई.ए.एस. बनी : अर्पणा गुप्ता

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में अलख फाउंडेशन के सहयोग से मेंटल हेल्थ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से विद्या मंडप सभागार में आयोजित हुए कार्यक्रम की मुख्य अतिथि यूआईटी सचिव डॉ अर्पणा गुप्ता थी। विशिष्ट अतिथि अलख फाउंडेशन की सचिव श्रीमती रानु पाराशर, डॉ ऋतु जैन और साइकोलॉजिस्ट डॉ खुशबू सुथार थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरूण कुमार ने की।

मुख्य अतिथि डॉ गुप्ता ने कहा कि जीवन में कभी हताश ना हों। मैं खुद चौथे प्रयास में आईएएस बनी। साथ ही कहा कि अगर आपके परिवार या आसपास लगे कि किसी को मदद की जरूरत है और वो आगे नहीं बढ़ पा रहा है तो आप एक कदम उसकी ओर बढ़ाइए। हो सकता है आप किसी की जान बचा पाएं। गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थी अपने इनर सर्कल के चार-पांच लोगों का आपस में ध्यान रखें। हॉस्टल में कभी कोई मैस में खाना खाने नहीं आ रहा तो उनके परिजन को बताएं या खुद बात करें।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में मेंटल हेल्थ पर जागरूकता कार्यक्रम को डॉ. अर्पणा गुप्ता ने संबोधित किया।

डेंगू, मलेरिया को लेकर जिस तरह हम डॉक्टर्स के पास जाते हैं। एंजाइटी, डिप्रेशन के मामले में भी हम उसी तरह डॉक्टर से संपर्क करें। इसमें शर्म की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि अलख फाउंडेशन मेंटल हेल्थ को लेकर अच्छा कार्य कर रहा है।

■ राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में मेंटल हेल्थ पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति अरूण कुमार ने कहा कि समस्याएं सबके जीवन में आती हैं लेकिन हमें कभी हार नहीं माननी हैं। अगर कभी हम फैल भी होते हैं तो अगली बार दुगुनी शक्ति और मेहनत से टार्गेट हासिल करें। कई बार माता पिता अपने बच्चों पर ध्यान नहीं दे पाते हों।

ऐसे में विद्यार्थी एक दूसरे का सहयोग करें। इससे छोटी छोटी समस्याएं आसानी से हल हो जाती हैं। हम सब मिलकर नए राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें। कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी ने कहा कि कोटा में हम बच्चों की सुसाइड की घटनाएं सुनते हैं। इसको रोकने को लेकर प्रयास हो।

मोटे अनाजों की उपयोगिता एवं महत्ता के बारे में बताया

बीकानेर, (कासं)। पोषक अनाजों के उत्पादन में वृद्धि, मूल्य संवर्धन, मूल्य सवंर्धित उत्पादों के घरेलू उपयोग में वृद्धि आदि के संबंध में जागरूकता लाने के उद्देश्य से खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पौष्टिक अनाज जिला स्तरीय प्रशिक्षण बुधवार को आत्मा सभागार कृषि भवन में आयोजित किया गया।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक कैलाश चौधरी ने किसानों से अधिक से अधिक मिलेट्स उगाने का आव्हान किया और कहा कि इससे आय में वृद्धि होगी। सहायक निदेशक भैराराम गोदारा ने किसानों को मोटे अनाजों को अपने खेतों में बुवाई कर क्षेत्रफल व उत्पादन बढाने हेतु प्रोत्साहित किया।

डॉ अमर सिंह गोदारा ने बाजरा उत्पादन की उन्नत तकनीकों के बारे में जानकारी दी। डॉ नारायण सिंह नाथावत ने मोटे अनाजों की उपयोगिता एवं महत्ता के बारे में प्रकाश डाला। कार्यक्रम समन्वयक ओमप्रकाश तर्ड ने राजस्थान के परिपेक्ष्य में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में मोटे अनाजों की भूमिका की पावर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी। कम्यूनिटी विज्ञान महाविद्यालय की डॉ. रूपम गुप्ता ने पौषक अनाजों के प्रसंस्करण एवं उनसे बनने वाले उत्पादों के बारे में जानकारी दी।

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पौष्टिक अनाज मिलेट्स जिला स्तरीय प्रशिक्षण को भैराराम गोदारा ने संबोधित किया।

मुकेश गहलोत ने उद्यान विभागीय योजनाओं के बारे में बताया। प्रमाणीकरण अधिकारी अशोक बंसल ने जैविक बीज प्रमाणीकरण प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में 100 से अधिक प्रगतिशील किसानों के साथ विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया।